Seventeenth Loksabha

an>

Title: Request the Government not to privatise Railway Coach Factory, Kapurthala.

श्री जसबीर सिंह गिल (खडूर साहिब): स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला की ओर ले जाना चाहता हूं । पंजाब में शांति लाने के लिए 'राजीव लोंगोवाल समझौता' हुआ, उस समझौते के तहत मेरे क्षेत्र कपूरथला में एक रेल कोच फैक्ट्री लगाई गई, जिसकी सैंक्शन्ड स्ट्रेंथ 7,500 थी और उसका टारगेट 1000 कोच बनाना था । इस फैक्ट्री ने कमाल किया । इस फैक्ट्री ने इंडिया का सबसे पहला थ्री टियर एसी कोच, उदय कोच, डबल डेकर कोच बनाया और इस रेल कोच फैक्ट्री से म्यांमार, बांग्लादेश, सेनेगल एवं कई अन्य देशों में इसके कोचेज एक्सपोर्ट हुए ।

सर, इस रेल कोच फैक्ट्री में सबसे बढ़िया वर्क कल्चर है, इसमें सबसे बढ़िया एथिक्स है, इसमें सबसे बढ़िया टेक्नोलॉजी यूज हो रही है । सबसे बढ़िया बात यह है कि इस रेल कोच फैक्ट्री ने अपने सारे वार्षिक टारगेट पूरे किए हैं । इनकी सामर्थ्य 1000 कोचेज प्रति वर्ष बनाने की है, लेकिन पिछले साल इन्होंने 1334 कोचेज़ बनाए ।

सर, इसे प्राइवेटाइज किया जा रहा है । मैं इस सदन में हाथ जोड़ कर विनती करता हूं कि कृपया सरकार इधर ध्यान दे । यह फैक्ट्री खून देकर बनाई गई है । इससे पंजाब के लोगों का सेंटीमेंटल अटैचमेंट है । कृपा करके इसे प्राइवेटाइज नहीं किया जाए । इस फैक्ट्री पर 100 एनसीलिरी यूनिट्स डिपेंड करते हैं । धन्यवाद ।